सांध्य दैनिक
4PM

अगर आप पर हमेशा ऊंगली उठाई जाती रहे तो आप भावनात्मक रूप से अधिक समय तक खड़े नहीं हो सकते।
- स्वामी दयानन्द सरस्वती

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 104 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 19 मई, 2022

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की ... 2 | सबसे खराब दौर में कांग्रेस... 3 | सड़कों पर बढ़ते अतिक्रमण ... 7

ज्ञानवापी पर कानूनी जंग जारी, वाराणसी कोर्ट की कार्यवाही पर रोक

सुप्रीम कोर्ट बोला, कल करेंगे सुनवाई कोई आदेश न दे सिविल अदालत

» हिंदू पक्ष की मांग पर टली सुनवाई, निचली अदालत के आदेश पर हुआ था सर्वे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में वाराणसी से दिल्ली तक कानूनी जंग जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने कल तक के लिए सुनवाई को स्थगित करते हुए वाराणसी की निचली अदालत को आदेश दिया है कि वह कल तक इस मामले में सुनवाई न करे और न ही कोई आदेश जारी करे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ज्ञानवापी मामले पर वह कल तीन बजे सुनवाई करेगा, तब तक वाराणसी की सिविल अदालत इस मामले में कोई आदेश न दे। इससे पहले हिंदू पक्ष के वकील विष्णुशंकर जैन ने कहा कि वरिष्ठ वकील हरिशंकर जैन अस्वस्थ हैं इसलिए ज्ञानवापी मामले की कल सुनवाई की जाए। इस पर मुस्लिम पक्ष की ओर से मौजूद वकील हुजेफा अहमदी ने कहा कि मामला अर्जेंट होने के कारण इसे आज ही सुना जाए। विभिन्न मस्जिदों को सील करने के लिए देश भर में कई आवेदन दायर किए गए हैं। वाराणसी में ज्ञानवापी मामले में सुनवाई चल रही है और वजूखाना के चारों ओर एक दीवार को गिराने के लिए आवेदन दायर किया गया है। वह एक वकील के बीमार होने के आधार पर सुनवाई स्थगित करने का विरोध नहीं कर सकते लेकिन वचन दिया जाना चाहिए कि हिंदू पक्ष सिविल कोर्ट की कार्यवाही के साथ आगे नहीं बढ़ेंगे। इस पर वकील विष्णुशंकर जैन ने कहा कि वे पीठ को आश्वासन दे रहे हैं कि हिंदू पक्ष वाराणसी की सिविल कोर्ट में सुनवाई आगे नहीं बढ़ाएंगे। इसके बाद जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्य कांत व जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने जैन के कथन को रिकॉर्ड पर लिया और आदेश पारित

ज्ञानवापी प्रकरण को लेकर मुस्लिम पक्ष पहुंचा है शीर्ष अदालत

सर्वे की रिपोर्ट पेश

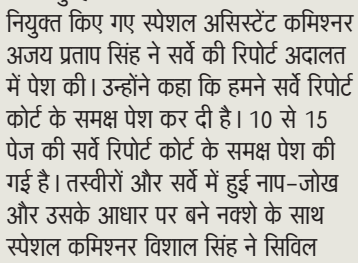

आज सुबह वाराणसी कोर्ट की तरफ से नियुक्त किए गए स्पेशल असिस्टेंट कमिश्नर अजय प्रताप सिंह ने सर्वे की रिपोर्ट अदालत में पेश की। उन्होंने कहा कि हमने सर्वे रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष पेश कर दी है। 10 से 15 पेज की सर्वे रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष पेश की गई है। तस्वीरों और सर्वे में हुई नाप-जोख और उसके आधार पर बने नक्शे के साथ स्पेशल कमिश्नर विशाल सिंह ने सिविल जज (सीनियर डिविजन) की अदालत में विस्तृत सर्वे रिपोर्ट दाखिल की। अदालत में रिपोर्ट रखे जाने के बाद प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

करते हुए सिविल कोर्ट को मामले की सुनवाई शुक्रवार तक टालने को कहा। वाराणसी कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के वीडियोग्राफिक सर्वेक्षण का आदेश दिया था।

मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज करने की मांग

नई दिल्ली। ज्ञानवापी सर्वे मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर अहम सुनवाई से ठीक पहले हिंदू सेना ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज करने की मांग की। पिछली सुनवाई में शीर्ष अदालत ने हिंदू सेना को भी मौजूद रहने को कहा था और अब हिंदू सेना ने सुप्रीम कोर्ट में जवाब दाखिल करते हुए मुस्लिम पक्ष पर कई तथ्य छुपाने का आरोप लगा दिया है। हिंदू सेना ने आरोप लगाया कि मुस्लिम पक्ष ने कई बातें अदालत से छुपाईं। मुस्लिम पक्ष ने अदालत को नहीं बताया कि इस मामले में पहले दो कमिश्नरों को निचली अदालत नियुक्त करना चाहती थी लेकिन डर के मारे उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया। फिर अदालत को तीसरे वकील को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करना पड़ा। हिंदू सेना ने अपने जवाब में यह भी कहा कि मुस्लिम पक्ष ने धार्मिक स्वरूप पर अपना पक्ष रखा ही नहीं केवल वरशिप एक्ट की बात कर रहा है।

आजम को बड़ी राहत अंतरिम जमानत मिली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सपा के वरिष्ठ नेता और विधायक आजम खां को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। कोर्ट ने रामपुर में कोतवाली पुलिस थाना से जुड़े एक मामले में आजम खां को अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने आजम खां को दो सप्ताह के भीतर संबंधित अदालत के समक्ष नियमित जमानत के लिए आवेदन करने की छूट दी है। कोर्ट ने कहा कि सक्षम अदालत द्वारा नियमित जमानत का फैसला होने तक अंतरिम जमानत जारी रहेगी।

» कई मामलों में सीतापुर जेल में बंद हैं सपा नेता

इससे पहले मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अंतरिम जमानत मिलने के बाद माना जा रहा है कि आजम जल्द ही जेल से बाहर आ जाएंगे। आजम खां को ट्रायल कोर्ट से अब तक 88 मामलों में जमानत मिल चुकी है लेकिन 89वें मामले में जमानत को लेकर ट्रायल होना था इससे पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 142 का प्रयोग कर जमानत दे दी। आजम सीतापुर जेल में बंद हैं।

आम आदमी को महंगाई की एक और खुराक

फिर बढ़े रसोई गैस के दाम

» घरेलू गैस सिलेंडर एक हजार के पार, 7 मई को भी 50 रुपये महंगी हुई थी गैस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तेल एवं गैस कंपनियों ने आम आदमी को आज फिर महंगाई की एक और खुराक दी। तेल कंपनियों ने घरेलू गैस के दामों में फिर इजाफा किया है। इसके साथ देशभर में अब घरेलू गैस सिलेंडर के दाम एक हजार के पार पहुंच गए हैं। वहीं लगातार बढ़ती महंगाई से आम आदमी परेशान है।

तेल विपणन कंपनियों ने तत्काल प्रभाव से 14 किलो घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 3.50 रुपये की बढ़ोतरी की है। इस वृद्धि से दिल्ली में 14 किलो के सिलेंडर की कीमत 1003 जबकि मुंबई में 1002.50 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई है। कोलकाता में एक उपभोक्ता को गैस सिलेंडर के लिए 1,029 जबकि चेन्नई में 1,058.50 रुपये खर्च करने पड़ेंगे। इसके पहले 7 मई को 14.2 किलोग्राम घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की वृद्धि की गई थी। महीने की शुरुआत में 1 मई को 19 किलो के व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत दिल्ली में लगभग 102 रुपये बढ़ाकर 2,355.5 रुपये तक कर दी गई थी।

19 किलो वाले व्यावसायिक सिलेंडर की कीमत में आठ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब 19 किलो का व्यावसायिक सिलेंडर दिल्ली में 2354 रुपये, कोलकाता में 2454, मुंबई में 2306 और चेन्नई में 2507 रुपये में मिलेगा।

व्यावसायिक सिलेंडर की कीमतें भी बढ़ीं

रोड रेज मामले में सिद्धू को एक साल की सजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को सुप्रीम कोर्ट ने 34 साल पुराने रोड रेज मामले में एक साल की सश्रम कैद की सजा सुनाई है। इससे पहले सुप्रीम ने उनको एक हजार रुपये का जुर्माना लगाकर छोड़ दिया था।

» सुप्रीम कोर्ट ने सुनायी सजा

सिद्धू पर 34 साल पहले पटियाला में सड़क पर हुए विवाद में गुरनाम सिंह के साथ मारपीट करने का आरोप है। गुरनाम सिंह की अस्पताल में मौत हो गई थी। रोड रेज का यह मामला 27 दिसंबर 1988 का है। पटियाला पुलिस ने सिद्धू और उनके दोस्त रुपिंदर सिंह के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया था। निचली अदालत ने सिद्धू को बरी कर दिया था जबकि 2006 में हाईकोर्ट ने सिद्धू को तीन साल कैद की सजा सुनाई थी। इस फैसले को सिद्धू ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने 2018 में उनको एक हजार रुपये का जुर्माना लगाकर छोड़ दिया। इसके बाद गुरनाम सिंह के स्वजनों ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की। इसके बाद आज सुप्रीम कोर्ट ने सिद्धू को एक साल के जेल की सजा सुनाई है।

सरकार की नीतियों से समाज का हर वर्ग त्रस्त : अखिलेश

» कार्यकर्ताओं को निराश होने की जरूरत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को निराश होने की जरूरत नहीं है। हम लोग जनता के बीच रहकर मेहनत करेंगे और दोबारा सरकार बनाएंगे। योगी सरकार की नीतियों से समाज का हर वर्ग त्रस्त है। यह कहना है समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रदेश सरकार की नीतियों से महंगाई और भ्रष्टाचार चरम पर है। जिस तरह से यह सरकार मनमाना निर्णय लेकर जनता को परेशान कर रही है, यह उचित नहीं है।

सपा कार्यकर्ता लोगों के हित में कार्य करने में लगे हैं। जिस तरह से प्रदेश का माहौल खराब किया जा रहा है, यह उचित नहीं है। प्रदेश में सभी वर्गों के लोग प्रेम भाव से रहें ऐसा माहौल बनाया जाना चाहिए।

सपा जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि टोल प्लाजा पर बीकापुर विधानसभा प्रत्याशी हाजी फिरोज खान गब्बर ने अपने समर्थकों के साथ स्वागत किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष एजाज अहमद भी मौजूद रहे। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अयोध्या में बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि हमारे हिन्दू धर्म में कहीं भी पत्थर रख दो, एक लाल झंडा रख दो पीपल के पेड़ के नीचे और मंदिर बन गया। अखिलेश यादव ने ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग मिलने के दावे वाले सवाल पर कहा एक समय ऐसा था कि रात के अंधेरे में मूर्तियां रख दी गई थी। बीजेपी कुछ भी कर सकती है, बीजेपी कुछ भी करा सकती है।

ज्ञानवापी मामले में बोले कि यह कोर्ट का मामला है। सबसे बड़ी बात है कि जिसकी जिम्मेदारी थी सर्वे करने की, आखिरकार वह रिपोर्ट बाहर कैसे आ गई। अखिलेश ने कहा बीजेपी से सावधान रहिए। बीजेपी जानबूझकर के ज्ञानवापी मस्जिद का मामला उठा रही है।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की तैयारी में यूपी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

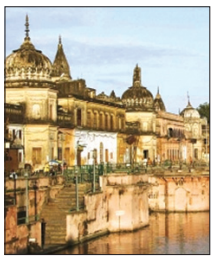

लखनऊ। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत योगी सरकार एक नई योजना जल्द शुरू करने जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इंटीग्रेटेड टेम्पल इनफार्मेशन सिस्टम यानी समन्वित मंदिर सूचना तंत्र विकसित किया जा रहा है, जिस पर मंदिर से जुड़ी सभी जानकारियां आनलाइन उपलब्ध हो सकेंगी। धर्मार्थ कार्य विभाग ने इसके लिए एक हजार करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया है।

विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने जो लोक कल्याण संकल्प पत्र जारी किया था, उसमें मंदिरों से संबंधित यह घोषणा भी की गई थी। मुख्यमंत्री योगी संकल्प पत्र की उन घोषणाओं को जल्द से जल्द पूरा कराने के लिए प्रयासरत हैं। इसी के तहत मंदिरों की इस योजना पर भी काम शुरू कर दिया गया है। लक्ष्य रखा गया है कि है इसे छह माह में पूरा कर लिया जाए। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि धर्मार्थ कार्य विभाग ने एक हजार करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया है, जिसके जल्द स्वीकृत होने की उम्मीद है। साथ ही यूपी इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन के साथ मिलकर काम शुरू कर दिया गया है। योजना के तहत आनलाइन सिस्टम पर प्रदेश के सभी प्रमुख मंदिरों की विशेषता, मान्यता, इतिहास, मार्ग आदि का ब्यौरा अपलोड किया जाएगा। इसके बाद महंत-पुजारियों के लिए कल्याण बोर्ड के गठन की भी तैयारी की जाएगी। वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए एक हजार करोड़ रुपये का प्रस्ताव बनाया है।

बसपा सांसद अतुल राय की जमानत अर्जी खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के बाहर दुष्कर्म पीड़िता और उसके साथी के आत्महत्या का प्रयास किए जाने के मामले में आरोपी बसपा सांसद अतुल राय की जमानत अर्जी एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश हरबंस ने खारिज कर दी है।

अतुल राय पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली पीड़िता और उसके साथी ने 16 अगस्त 2021 को सुप्रीम कोर्ट के बाहर आत्महत्या का प्रयास किया था। इसमें दोनों झुलस गए थे। इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई थी। इसके बाद में 27 अगस्त को हजरतगंज थाने में एसएसआई दयाशंकर द्विवेदी ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एसआईटी जांच में पता चला कि पीड़िता ने अतुल राय के खिलाफ वाराणसी के लंका थाने में दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वहीं पीड़िता ने आरोप लगाया था कि दुष्कर्म के आरोपी अतुल राय को बचाने के लिए अमिताभ ठाकुर ने पैसे लेकर आपराधिक षड्यंत्र रचा था। साथ ही गवाहों को बदनाम करने व पीड़िता पर दबाव बनाने के लिए अपराधियों से जोड़कर छवि खराब करने के लिए ऑडियो वायरल किया था।

एक ही पोर्टल से दूर होंगी ऊर्जा व नगर विकास की शिकायतें : शर्मा

» नगर विकास मंत्री ने की 'संभव' वेब पोर्टल की शुरुआत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने नई पहल करते हुए 'संभव' वेब पोर्टल की शुरुआत की। 'संभव' का फुल फार्म सिस्टेमैटिक एडमिनिस्ट्रेटिव मैकेनिज्म फार ब्रिंगिंग हैपीनेस एंड वैल्यू...है। यह पोर्टल उनके दोनों विभागों की योजनाओं, जनशिकायतों, विभागीय मुद्दे, परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों की सतत निगरानी करेगा। दोनों विभागों में अधिकारियों व कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की गई है।

पोर्टल की शुरुआत करते हुए एके शर्मा ने कहा कि जन शिकायतों को तेजी से हल करने व विभागीय कार्यक्रमों का लाभ नीचे तक मिले, इसके लिए संभव नामक इस प्लेटफार्म की शुरुआत की गई है। इसके जरिए विभागीय कार्यों में जवाबदेही तय करने के साथ ही पारदर्शिता लाई जाएगी। ऊर्जा विभाग में इस नये प्लेटफार्म के जरिए अधिशासी अभियंता हर सोमवार को सुबह 10 से 12 बजे तक और सर्किल स्तर पर अधीक्षण अभियंता दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक जनसुनवाई करेंगे। वहीं डिस्काम के एमडी हर मंगलवार को सुबह 10 से 12 बजे तक और राज्य स्तर पर हर तीसरे बुधवार को मंत्री और उच्चाधिकारियों के स्तर पर जनसुनवाई 12 बजे से होगी। नगर विकास विभाग में निकायों के अधिशासी अधिकारियों के स्तर पर जनसुनवाई सोमवार को 10 से 12 बजे तक होगी।

शिकायतें ऊपर पहुंची तो खैर नहीं

मंत्री ने कहा कि स्थानीय, क्षेत्रीय एवं राज्य स्तर पर समन्वित कार्यक्रम शुरू किए जाने के पीछे भाव यह है कि जो शिकायत जहां प्राप्त हो, वहीं उसका निस्तारण होना चाहिए। शिकायत निस्तारण में विलंब या गैर जिम्मेदारी सिद्ध होने पर दंड की व्यवस्था तय की गई है। नीचे से बिना निस्तारण के शिकायतें राज्य स्तर पर पहुंची तो इसे लापरवाही माना जाएगा। संभव पोर्टल एक मल्टी माडल प्लेटफार्म है जिसकी लागिन आईडी ऊर्जा एवं नगर विकास विभाग के अधिकारियों को उपलब्ध करा दी गई है। पोर्टल पर आने वाली शिकायतों के निस्तारण से जुड़ी जानकारी संबंधित अधिकारी ही पोर्टल पर फीड करेंगे।

आजमगढ़ की जनता को फिर ठगने की तैयारी में सपा : नंदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज में शहर दक्षिणी से विधायक चुने गए कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्त नंदी ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर बड़ा हमला बोला है। उनके आजमगढ़ दौरे पर चुटकी लेते हुए ट्वीट किया है कि अखिलेश जी क्या एक बार फिर आजमगढ़ की जनता को ठगने की तैयारी में हैं। पहले वहां के लोगों से वोट लेकर ठगा फिर बीच कार्यकाल में त्यागपत्र देकर जनादेश को धोखा दिया।

नंदी ने इस ट्वीट में लिखा है कि पूरे कार्यकाल के दौरान आजमगढ़ में सपा के जिन नेताओं और कार्यकर्ताओं की दुखद मृत्यु हुई, शोक प्रकट करने उनके घर जाना तो दूर, संवेदना के दो शब्द भी नहीं कहे। अब जब उपचुनाव सामने है तो शोक संवेदना और शादी विवाह के बहाने शामिल होने पहुंच रहे हैं। आजमगढ़ की सम्मानित जनता इस मौकापरस्ती को देख और समझ रही है। मंत्री नंदी ने यह भी लिखा है कि आजमगढ़ की जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही और अब दोबारा आपको मौका देने वाली नहीं है। नंदी ने आरोप लगाया कि सपा प्रमुख ने आजमगढ़ के विकास पर काम नहीं किया। इसी के चलते आज भी यहां कई योजनाएं अधूरी है। योगी सरकार ने कई विकास योजनाओं को रफ्तार दी है।

पश्चिम के मूल्यों पर खड़ा है मीडिया का अधिष्ठान : द्विवेदी

» पत्रकारिता का भारतीयकरण किया जाना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जन संचार संस्थान नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने नारद जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की पत्रकारिता का भारतीयकरण किया जाना चाहिए। भारत की पत्रकारिता को भारतीय मूल्यों के आधार पर खड़ा करना होगा। उन्होंने कहा कि मीडिया का अधिष्ठान पश्चिम के मूल्यों पर खड़ा है। वहां से ही मीडिया में नकारात्मकता का भाव आया है। आज पत्रकार होने का मतलब ही नकारात्मकता को खोजना हो गया है। इसका कारण है, हम अपने मूल्य को भूलकर पश्चिम की पत्रकारिता को अपना लिये हैं। प्रो. संजय द्विवेदी बौद्ध शोध संस्थान गोमतीनगर में आयोजित देवर्षि नारद जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम देवर्षि नारद जयंती आयोजन समिति की ओर से आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि नारद जी सतत प्रवास करते थे। पत्रकार अगर बैठ जायेगा तो समाज से संपर्क टूट जायेगा। आज पत्रकारिता में विश्वसनीयता व प्रमाणिकता का संकट है। खबरों में विचार नहीं आना चाहिए लेकिन खबरों में विचार परोसे जा रहे हैं। नारद जी देवता और राक्षस दोनों के बीच अपनी बात कहते थे। पत्रकारिता कठिन मार्ग है। अपने जान को जोखिम में डालकर पत्रकार पत्रकारिता करते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र ने कहा कि ज्ञान का व्यापार ही पत्रकारिता है। उन्होंने कहा कि भारत को आगे जाना है तो विद्यार्थी परक शिक्षा होनी चाहिए। प्रो. प्रदीप मिश्रा ने कहा कि देश के निर्माण में पत्रकारिता का बड़ा योगदान है लेकिन पत्रकारिता में नवाचार और विशलेषण परक होनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्तम्भकार नरेंद्र भदौरिया ने की। कार्यक्रम की प्रस्तावना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अवध प्रान्त के प्रचार प्रमुख डॉ. अशोक दुबे ने रखी। संचालन वरिष्ठ पत्रकार सर्वेश सिंह ने किया। इस मौके पर विधायक भूपेश चौबे, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हर्षवर्धन सिंह, सिंधी अकादमी के उपाध्यक्ष नानक चंद लखमानी, बाल आयोग के सदस्य श्याम त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार पी.एन.द्विवेदी, विश्व संवाद केंद्र के मनीष व डॉ. शैलेष मौजूद थे।

सबसे खराब दौर में कांग्रेस, यूपी विधान परिषद में नहीं दिखेगा प्रतिनिधित्व

» 6 जुलाई को एकमात्र एमएलसी दीपक सिंह का कार्यकाल होगा समाप्त

» पहली बार मोती लाल नेहरू ने 1909 को विधान परिषद की ली थी सदस्यता

» उस समय यूपी को जाना जाता था संयुक्त प्रांत के नाम से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस अपने सबसे खराब दौर में प्रवेश कर चुकी है। विधान सभा में भले ही दो सदस्य उसका प्रतिनिधित्व कर रहे हो लेकिन आने वाली छ जुलाई को विधान परिषद में उसकी उपस्थिति शून्य हो जाएगी। ऐसा 113 साल बाद हो रहा है। सबसे पहले 1909 में मोती लाल नेहरू ने विधान परिषद की सदस्यता ली थी।

यूपी के संसदीय इतिहास में 6 जुलाई को कांग्रेस अपने सबसे खराब दौर में प्रवेश करेगी। 113 साल में पहली बार ऐसा होगा जब विधान परिषद में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व नहीं होगा। उसके एकमात्र सदस्य दीपक सिंह का उस दिन कार्यकाल समाप्त होगा। इस तरह से कांग्रेस के प्रमुख नेता रहे मोतीलाल नेहरू से प्रारंभ हुआ यह सिलसिला उनकी पांचवीं पीढ़ी के समय में खत्म हो रहा है। यूपी विधान परिषद की स्थापना 5 जनवरी 1887 को हुई थी। तब इसके 9 सदस्य हुआ करते थे। 1909 में बनाए गए प्रावधानों के तहत सदस्य संख्या बढ़ाकर 46 कर दी गई, जिनमें गैर सरकारी सदस्यों की संख्या 26 रखी गई। इन सदस्यों में से 20 निर्वाचित और 6 मनोनीत होते थे। मोती लाल नेहरू ने 7 फरवरी 1909 को विधान परिषद की सदस्यता ली। उन्हें विधान परिषद में कांग्रेस का पहला सदस्य माना जाता है। हालांकि, 1920 में कांग्रेस की सरकार के साथ असहयोग की नीति के तहत उन्होंने सदस्यता त्याग दी थी। तब यूपी को संयुक्त प्रांत के नाम से जाना जाता था। आजादी के बाद 1989 तक विधान परिषद में नेता सदन कांग्रेस का ही रहा। इस अवधि में सिर्फ 1977 और 1979 ही अपवाद रहा, क्योंकि तब यह पद जनता पार्टी के पास था। वर्तमान में विधान परिषद में कांग्रेस के एकमात्र सदस्य दीपक सिंह बचे हैं और उनका कार्यकाल 6 जुलाई 2022 को समाप्त हो रहा है। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए निकट भविष्य में कांग्रेस के उच्च सदन में प्रतिनिधित्व की उम्मीद भी किसी को दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है।

लगातार सिकुड़ रही कांग्रेस

बीते 33 वर्षों में कांग्रेस विधान सभा में सिकुड़ती गई। इस बार हुए विधान सभा चुनाव में तो सदस्य संख्या के लिहाज से वह अपने सबसे खराब दौर में पहुंच गयी है। विधान सभा में उसके मात्र दो विधायक जीते है और पार्टी को उत्तर प्रदेश में 2.5 फीसदी से भी कम मत मिले। इसका असर विधान परिषद में उसकी सदस्य संख्या पर पड़ना लाजिमी था।

आराधना मिश्रा होंगी कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता

विधान सभा में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना होंगी। वे सदन में कांग्रेस का नेतृत्व करेंगी

प्रदेश के अस्पतालों में अब नहीं पड़ेगा दवाओं का टोटा, ड्रग वेयर हाउस बनाएगी सरकार

» पहले चरण में आठ जिलों में खुलेंगे ड्रग वेयर हाउस आधुनिक सुविधाओं से होंगे लैस

» अभी किराए के भवनों में दवाओं का किया जाता है भंडारण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में दवाओं का टोटा नहीं होगा। मरीजों को सभी दवाएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। दवाओं के भंडारण के लिए प्रदेश सरकार सभी जिलों में ड्रग वेयर हाउस बनाने की तैयारी कर रही है। इनको आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इसके लिए सरकारी ने पूरा प्लान तैयार कर लिया है।

सभी जिलों में ड्रग वेयर हाउस बनाए जाएंगे। अभी जिलों में किराए के भवनों में दवाओं का भंडारण किया जा रहा है। किराए के भवनों में चल रहे ड्रग वेयर हाउस में अधिक मात्रा में दवा का भंडारण नहीं हो पाता। ऐसे में अब राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, यूपी की मदद से अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस बड़े ड्रग हाउस बनाए जा रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में जरूरत के अनुसार दवाओं की आपूर्ति उप्र मेडिकल सप्लाइज कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जाता है। ड्रग एंड वैक्सीन डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट सिस्टम की मदद से अस्पतालों की जरूरत के अनुसार ऑनलाइन आर्डर लेकर दवाएं भेजी जाती है। किराए के भवन में कम क्षमता के कारण कभी-कभी जरूरत के अनुसार भंडारण नहीं हो पाता। पहले चरण में प्रदेश के आठ जिलों में ड्रग वेयर हाउस बनाने का निर्णय लिया गया है।

केजीएमयू समेत तीन मेडिकल कॉलेजों में खुलेगा डायबिटिक रेटिनोपैथी ट्रीटमेंट सेंटर

लखनऊ। प्रदेश में तीन मेडिकल कॉलेजों में डायबिटिक रेटिनोपैथी ट्रीटमेंट सेंटर स्थापित किया जाएगा। फिर शुगर के रोगियों को रेटिना की सर्जरी कराने के लिए दूसरे राज्यों में दौड़-भाग नहीं करनी होगी। मरीजों को एडवांस व सस्ता इलाज इन सेंटरों में मिल सकेगा। केजीएमयू के नेत्र रोग विभाग के प्रोफेसर डा. संजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि डायबिटिक रेटिनोपैथी ट्रीटमेंट सेंटर में जरूरी उपकरण मंगवाए जा रहे हैं। कई मशीनें आ चुकी हैं और जल्द इसका उद्घाटन किया जाएगा। डायबिटिक रेटिनोपैथी एक ऐसी बीमारी है, जिसमें पीड़ित व्यक्ति की रेटिना (आंख का पर्दा जहां तस्वीर बनती है) को प्रभावित करती है। यह रेटिना को रक्त पहुंचाने वाली महीन नलिकाओं को क्षतिग्रस्त कर देते हैं। अगर व्यक्ति का समय पर इलाज न हुआ तो वह अंधा भी हो सकता है। फिलहाल, इन तीन सेंटरों पर अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से मरीज का इलाज किया जाएगा।

दो साल में तैयार होंगे ड्रग वेयर हाउस

दो साल के अंदर यूपी के आठ जिलों में 25 ड्रग वेयर हाउस तैयार किए जाएंगे। फिर चरणबद्ध तरीके से सभी जिलों में ड्रग वेयर हाउस का निर्माण होगा।

पहले सीएमओ के जरिए होती थी खरीद

पहले विकेन्द्रीयकृत व्यवस्था के तहत सभी जिलों में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) द्वारा दवाओं की खरीद की जाती थी। इसमें गड़बड़ियों की शिकायत पर करीब पांच साल पहले केंद्रीयकृत व्यवस्था के तहत उप्र मेडिकल सप्लाइज कारपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से दवाएं खरीदकर अस्पतालों में भेजी जा रही हैं। योगी सरकार लगातार स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए प्रयोग कर रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध के मायने

बढ़ती महंगाई के बीच भारत सरकार ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत के इस फैसले पर अमेरिका समेत विश्व के कई देशों ने चिंता जाहिर की है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी यूरोप समेत कई देशों में खाद्य संकट उत्पन्न हो गया है और ये देश भारत से मदद की उम्मीद लगाए बैठे थे। भारत ने भी खाद्यान्न उपलब्ध कराने का भरोसा दिया था लेकिन अब स्थितियां बदली नजर आ रही हैं। सवाल यह है कि भारत सरकार ने यह फैसला क्यों लिया? क्या गेहूं निर्यात जारी रखकर देश के नागरिकों को खाद्य सुरक्षा की गारंटी दी जा सकती है? क्या गेहूं के उत्पादन में आई कमी इसकी बड़ी वजह है? क्या इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना होगा? क्या जमाखोर कंपनियां अब किसानों से अधिक से अधिक गेहूं नहीं खरीदेगी? क्या बढ़ती महंगाई से घिरी सरकार खाद्य संकट जैसी मुसीबत मोल लेना चाहेगी? क्या निर्यात पर प्रतिबंध लगाने से विदेशी संबंधों पर असर पड़ेगा?

देश में पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ती कीमतों और महंगाई से आम आदमी पहले से ही परेशान है। अब यदि उसके सामने खाद्य संकट उत्पन्न हो गया तो यह सरकार के लिए आत्मघाती साबित होगा। जाहिर है सरकार ने प्रतिबंध का फैसला घरेलू जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लिया है। दरअसल, मौसम के कारण इस वर्ष गेहूं का उत्पादन लक्ष्य के अनुरूप नहीं हुआ है। बड़ी कंपनियां व व्यापारी किसानों से एमएसपी से ज्यादा मूल्य पर गेहूं की खरीद उसे विदेशों में निर्यात कर मोटा मुनाफा कमाने के चक्कर में थीं। इसके कारण पिछले डेढ़ दशक में सबसे कम खरीद सरकारी एजेंसियों द्वारा की गई है। वहीं केंद्र सरकार ने अस्सी करोड़ लोगों को सितंबर तक मुफ्त राशन उपलब्ध कराने का वादा किया है, ऐसे में इस लक्ष्य को पूरा करना चुनौती बन सकता था। इसके अलावा सरकार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिये भी गेहूं उपलब्ध कराना होता है। हालांकि, इस प्रतिबंध के चलते भारत का वह संकल्प पूरा नहीं हो सकता जिसमें रूस-यूक्रेन संकट से उत्पन्न खाद्य संकट के बीच दुनिया की सेवा की बात कही गई थी। जाहिर है वैश्विक प्रतिबद्धता की जगह सरकार की पहली प्राथमिकता घरेलू खाद्य सुरक्षा है। यह जरूर है कि इस फैसले से किसानों को अब गेहूं न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेचना पड़ेगा। इसके अलावा अब जमाखोरों ने घरेलू बाजार में कालाबाजारी शुरू कर दी है। आटे के दाम में तेरह फीसदी की वृद्धि हुई है जिससे तमाम बेकरी उत्पाद भी महंगे हो गये हैं। जमाखोरों पर नियंत्रण लगाने के लिए सरकार को तत्काल निगरानी व कार्रवाई तंत्र विकसित करना होगा अन्यथा घरेलू बाजार में अफरातफरी मच सकती है।

“ बढ़ती महंगाई के बीच भारत सरकार ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत के इस फैसले पर अमेरिका समेत विश्व के कई देशों ने चिंता जाहिर की है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी यूरोप समेत कई देशों में खाद्य संकट उत्पन्न हो गया है और ये देश भारत से मदद की उम्मीद लगाए बैठे थे। भारत ने भी खाद्यान्न उपलब्ध कराने का भरोसा दिया था लेकिन अब स्थितियां बदली नजर आ रही हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सार्थक न रहा कांग्रेस का चिंतन शिविर

रशीद किदवई

उदयपुर में आयोजित कांग्रेस के चिंतन शिविर को लेकर उत्साह था। उम्मीद की जा रही थी कि वहां से कांग्रेस देशभर में ऐसा संदेश भेजेगी, जिससे पार्टी में नयी ऊर्जा का संचार होगा और आगामी चुनावों में वह अपना दमखम दिखायेगी। साथ ही, एक रोडमैप की अपेक्षा थी, जिसके आधार पर पार्टी राजनीतिक चुनौतियों का सामना करेगी, लेकिन हुआ यह कि इस आयोजन से कांग्रेस पर नेहरू-गांधी परिवार का वर्चस्व और मजबूत हुआ है। असंतुष्ट खेमा भी संतुष्ट दिखा और उसने ऐसी कोई बात नहीं की, जो आलाकमान को नापसंद हो या जिससे कांग्रेस की कार्यशैली को चुनौती मिले। इस खेमे, जिसे जी-23 कहा जाता है, के कई बड़े नेता वहां उपस्थित थे।

इस शिविर में चर्चा तो सकारात्मक माहौल में हुई, पर कांग्रेस का सामान्य कार्यकर्ता या भाजपा सरकार से नाराज मतदाता को इस आयोजन से कुछ मायूसी हुई। इस आयोजन में छह समूह बनाये गये थे, जिन्होंने सभी विषयों पर चर्चा की, लेकिन उन चर्चाओं पर पार्टी ने अपना रुख स्पष्ट नहीं किया। इस समय दो मुद्दे देश के लिए चिंता और बेचैनी का कारण बने हुए हैं- धर्म और राजनीति का मिश्रण तथा उग्र राष्ट्रवाद का उभार। इन पर कांग्रेस की सोच क्या है और इनको लेकर उसके पास क्या वैकल्पिक रणनीति है, यह भी स्पष्ट नहीं हो सका। चिंतन शिविर में यह बात खुलकर हुई और उत्तर भारत के कई नेताओं ने जोर दिया कि कांग्रेस को बहुसंख्यक हिंदू समाज को जोड़ने की कोशिश करनी होगी। उन्होंने रेखांकित किया कि इस समाज का हर व्यक्ति अपने को भाजपा या उसकी राजनीति से संबद्ध नहीं करता है। इस संदर्भ में यह भी कहा गया कि धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों से भी कांग्रेस अपने को जोड़े। मध्य प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित करने पर दक्षिण के कुछ नेताओं ने आपत्ति भी जतायी। उदयपुर में जो बातें हुईं, उनमें प्रशांत किशोर के सुझावों या कांग्रेस की पूर्ववर्ती समितियों- प्रणब मुखर्जी समिति, एके एंटनी समिति, रामनिवास मिर्धा समिति, पीए संगमा समिति आदि की सलाहों की झलक नजर आयी, पर यह सब आधा-अधूरा ही दिखता है।

यह निर्णय प्रथम दृष्टि में स्वागतयोग्य लगता है कि पार्टी के पचास प्रतिशत टिकट पचास साल से कम आयु के लोगों को दिये जायेंगे, लेकिन एक राजनीतिक दल का प्रयास होता है कि वह चुनाव जीते। क्या कांग्रेस के पास सौ से ज्यादा ऐसे उम्मीदवार हैं, जिनकी उम्र पचास साल से कम है? राहुल गांधी

भी बावन साल के हो गये हैं। प्रियंका गांधी भी इस साल पचास साल की हो गयी हैं। संजय गांधी ने 1977 के चुनाव में यह प्रस्ताव दिया था कि लोकसभा की सौ सीटें युवा कांग्रेस के लोगों को दी जाएं। लेकिन संजय गांधी के होने के बाद भी यह प्रस्ताव नहीं माना गया था। उत्तर प्रदेश विधान सभा के हालिया चुनाव में प्रियंका ने चालीस प्रतिशत सीटें महिला उम्मीदवारों को दी थीं, लेकिन नतीजा क्या रहा- ढाई फीसदी वोट और 403 में से महज दो सीटें। ऐसे निर्णयों को यथार्थ के धरातल पर देखे-परखे जाने की जरूरत है। वंशवाद के संदर्भ में चिंतन शिविर में कहा गया कि पार्टी एक परिवार को एक सीट देगी, पर उसमें यह जोड़ा गया है कि परिवार का कोई अन्य सदस्य पांच साल से पार्टी में सक्रिय होगा, उसे टिकट दिया जा सकता है। यह प्रावधान वास्तव में नियम जैसा ही है। इसका मतलब यह है कि जिसने कोई ठोस रणनीति प्रस्तावित करेगी। इससे भावी गठबंधन के स्वरूप का आभास मिल सकता है। इन मसलों पर इस आयोजन से कुछ भी स्पष्ट नहीं हो सका है। गठबंधन को लेकर कांग्रेस का रवैया रक्षात्मक है. उसे लगता है कि आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियां गठबंधन को लेकर कांग्रेस की उत्सुकता को कहीं उसकी कमजोरी न समझ लें। उस पर राहुल गांधी ने यह कह दिया कि क्षेत्रीय दलों की कोई विचारधारा नहीं है. यह आलोचना अपनी जगह सही हो सकती है, पर कांग्रेस को गैर-एनडीए दलों की आलोचना से परहेज करना चाहिए, क्योंकि उन्हीं के साथ आगे तालमेल करना है।

आगामी लोक सभा चुनाव की स्थिति यह है कि कांग्रेस के बिना कोई गठबंधन नहीं बन सकता है और क्षेत्रीय दलों के बिना कांग्रेस भाजपा को चुनौती नहीं दे सकती है।

भारत के लिए अहम है नेपाल

एसडी मुनि

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांचवीं बार नेपाल का दौरा किया। मीडिया में इस दौरे को लेकर काफी चर्चा भी रही। मीडिया ने दोनों देशों के बीच गर्मजोशी को दिखाया लेकिन दोनों के बीच पहले से जो मुद्दे हैं, वे अब भी बरकरार हैं। गर्मजोशी का एक कारण यह भी है कि पहली बार इस दौरे पर सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाने और संबंधों को मजबूत करने की एक कोशिश दिखी। बौद्ध धर्म के माध्यम से परस्पर जुड़ाव को मजबूत करने की दिशा में प्रयास किया गया। पिछले एक-डेढ़ महीने के भीतर दोनों ही देशों के प्रधानमंत्रियों ने एक-दूसरे देश की यात्राएं की हैं। इससे भी प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे का महत्व बढ़ जाता है। इससे लगता है कि आपसी संबंधों में धीरे-धीरे सुधार आ रहा है। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के कार्यकाल में दोनों के बीच सीमा विवाद का मुद्दा छाया रहा है। हालांकि, अब भी उसका समाधान नहीं हुआ है और न ही उसके समाधान का कोई रास्ता दिख रहा है।

वह इसलिए भी हल नहीं हो सकता है, क्योंकि नेपाल के लोगों ने उसे संविधान में शामिल कर रखा है। जब तक संविधान में बदलाव नहीं होगा, तब तक वे कुछ नहीं कर सकते। उन्होंने मानचित्र जारी कर दिये हैं और उन्होंने दावा किया है कि यह हमारी जमीन है। इस मुद्दे को नेपाली राजनेताओं ने राष्ट्रवाद से जोड़ दिया है। सीमा विवाद के मुद्दे का ज्यादा राजनीतीकरण हो जाने से विवाद के समाधान की राह मुश्किल हो गयी है। वहां का कोई भी नेता इस स्थिति में आसानी से बदलाव नहीं कर सकता और न ही उसके साथ वह कोई समझौता कर सकता है। सीमा के जिस हिस्से को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद उत्पन्न हुआ, उसका भारत के लिए विशेष सामरिक महत्व है क्योंकि वह चीन को जोड़ने का अहम मार्ग है। हमारी चीन के साथ उससे सीमा लगी हुई और हम बीते कुछ वर्षों से सामरिक नजरिये से महत्वपूर्ण उन सड़कों को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसी दशा में भारत भी इससे समझौता नहीं करेगा। दूसरी बात, सीमा का जो भी मसला तय होना है, वह प्रधानमंत्रियों के बीच नहीं होगा। उसके लिए सीमा से संबंधित एक समिति बनी हुई है, उसमें सीमा से जुड़े मसले हल होते हैं। उसी के माध्यम से इस समस्या का भी हल हो सकता है।

नेपाल में अभी चुनाव हो रहे हैं। कुछ महीने बाद वहां दिसंबर में फिर से चुनाव होंगे। तब तक हमारे यहां 2024 नजदीक आ जायेगा। इस प्रकार देखें, तो सीमा का मसला बहुत उलझा हुआ लगता है। राजनीतिक दृष्टिकोण से इस मसले का कोई आसान समाधान नहीं दिखता। फिलहाल, बेहतर यही होगा कि दोनों देशों की सरकारें इस मसले पर चुप रहें। इसे विवाद का मुद्दा न बनायें। इसे राष्ट्रवाद के रूप में न देखा जाए। साथ ही, सीमा के मुद्दों को हल करने के लिए जो व्यवस्था बनायी गयी है, उससे ही इसका हल निकालने की कोशिश की जाए। बीते कुछ वर्षों में जिस तरह से चीन की नेपाल में दखल बढ़ रही है, वह भारत के लिए भी चिंताजनक है और यह चिंता केवल नेपाल को लेकर ही नहीं है, बल्कि दक्षिण एशिया के हमारे सभी पड़ोसी देशों को लेकर यह गंभीर चिंता का विषय है, चाहे वह श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान हो, यहां तक कि म्यांमार हो, मालदीव हो या भूटान हो, वह भारत के लिए एक चुनौतीपूर्ण स्थिति है।

इसके लिए हमें एक स्पष्ट और ठोस नीति बनाने की दिशा में प्रयास करना होगा। चीन आक्रामक रूप से दक्षिण एशिया के देशों में अपनी पैठ बढ़ाना चाहता है। उसके पास आर्थिक साधन भी हैं। चीन इन देशों को आर्थिक प्रलोभन देकर उन देशों में अपनी दखल बढ़ा भी रहा है। इन सभी देशों में चीन राजनीतिक हस्तक्षेप भी कर रहा है। निश्चित ही चीन की चुनौती बढ़ी है, उसका सामना करने के लिए भारत की अभी बहुत ज्यादा सतर्कता नहीं दिखती है लेकिन, नेपाल में अभी प्रधानमंत्री का जो दौरा हुआ है, उससे यह संदेश दिया गया है कि सांस्कृतिक तौर पर हम ज्यादा मजबूत हैं और साझी सभ्यता हमें बेहतर तरीके से जोड़ती है। इसीलिए हम सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत बनाकर अपने हितों की रक्षा करेंगे और उसे बढ़ावा देंगे। निश्चित तौर पर यह एक बेहतर पहल है और इससे बेहतर तालमेल भी दिखता है।

दूसरी अहम बात है कि नेपाल में हमारी जो पहले से परियोजनाएं हैं, उसमें बहुत सारी लंबित भी हैं, उन सभी को ठीक करने की जरूरत है। हमें आर्थिक सहायता भी बढ़ाने की आवश्यकता है। सबसे महत्वपूर्ण है कि हमें राजनीतिक संवेदनशीलता से काम करना पड़ेगा। पिछली बार हमने नेपाल की नाकाबंदी कर दी थी। ऐसा हमें नहीं करना है अगर हम ऐसे फैसले करेंगे तो स्वाभाविक तौर पर चीन के साथ नेपाल की नजदीकी बढ़ेगी। इन बातों को ध्यान में रखते हुए बहुत हद तक हमें अपनी नीति में परिवर्तन करने की आवश्यकता है। हालांकि, चीन भी नेपाल के साथ सांस्कृतिक संबंधों को साधने की कोशिश कर रहा है। वहां भी बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं। कम्युनिस्ट सरकार ने पहले कहा कि हमें बौद्ध धर्म से कोई मतलब नहीं है, लेकिन अब उन्हें समझ में आ गया है और वे इसका राजनीतिक फायदा उठाने का प्रयास कर रहे हैं। दक्षिण एशिया के कई देशों में बौद्ध धर्म माननेवालों की काफी तादाद है। इसे देखते हुए चीन अपने दृष्टिकोण में बदलाव ला रहा है। इन सभी बातों पर गौर करते हुए हमें पड़ोसियों के साथ संबंधों की बेहतरी के लिए निरंतर प्रयत्न करना होगा।

संभाल कर धोयें फल और सब्जियां

फलों और सब्जियों को खाने से पहले धोना आम बात है। हालांकि, जब बात ताजा सब्जी-फलों को धोने की आती है, तो कई लोग ये सोचकर घबरा जाते हैं कि यह भोजन के न्यूट्रिशियन वेल्यू को खत्म कर देगा। हम भोजन के माध्यम से स्वस्थ रहते हैं और न्यूट्रिशियन वेल्यू प्राप्त करते हैं। फिर भी, क्या ताजे साग-सब्जी और फलों को धोना जरुरी है? एक्सपर्ट्स की माने तो ये बहुत आवश्यक है। जब ताजे फलों को धोने के बाद अगर काटकर उन्हें तुरंत पैक कर दिया जाए तो यह अपने न्यूट्रिशियन वेल्यू को बनाए रखता है। यहां तक कि फल को रेफ्रिजरेटर के तापमान पर नौ दिनों तक स्टोर करने पर भी इनके विटामिन सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट पर व्यावहारिक रूप से कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

विटामिन सी से भरपूर फलों का रखें ध्यान

विटामिन सी से भरपूर सब्जी और फलों को धोते हुए थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए। यह वह पोषक तत्व है जो कटे हुए फलों और सब्जियों से जल्दी निकल जाता है, नतीजतन, फलों और सब्जियों को काटने के बाद हमें इन्हें धोना नहीं चाहिए।

कब धोनी चाहिए सब्जियां और फल

फलों और सब्जियों में मिट्टी, जानवरों का मलबा, कीटनाशक और अन्य प्रदूषक सभी मौजूद होते हैं। दूषित भोजन का सेवन किसी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है और दस्त, उल्टी, पेट दर्द आदि जैसे लक्षण पैदा कर सकता है। विशेषज्ञ इन समस्याओं को कम करने के लिए खाने से पहले फलों और सब्जियों को अच्छी तरह से साफ करने की सलाह देते हैं। इन्हें साफ करने से फलों या सब्जियों की पौष्टिकता पर कोई असर नहीं पड़ता है। दूसरी ओर, कटे और पैक्ड (ब्रांडेड खाने के लिए उपयुक्त) फलों और सब्जियों को धोने की आवश्यकता नहीं होती है।

सुरक्षित धुलाई के सुझाव

- अपने खाद्य पदार्थों को हमेशा ठंडे बहते हुए पानी से अच्छी तरह धोएं।
- अपने फलों और सब्जियों को साबुन, डिटर्जेंट और या रसायनों से धोने से बचें।
- कटे हुए फल और सब्जियां न धोएं।
- अपने फलों और सब्जियों के खराब हिस्से को काट दे।
- अपने भोजन को धोने के बाद किसी सुरक्षित स्थान पर रखना न भूलें।

हंसना मना है

टीचर क्लास में सबका होमवर्क चेक कर रहे थे, टीचर : तुमने होम वर्क क्यों नहीं किया? चिंटू : सर, इसमें मेरी कोई गलती नहीं है। आपने मुझे वर्क दिया ही कहां था। टीचर- क्यों? होमवर्क दिया तो था। चिंटू -अरे सर, मैं होम वर्क कर ही नहीं सकता क्यूंकि मैं तो हॉस्टल में रहता हूं।

सोनू और मोनू आपस में बात कर रहे थे, सोनू: अच्छा, तुझे पता है निमंत्रण और आमंत्रण में कितना अंतर होता है? मोनू: यह तो बहुत ही आसान है। संजू: तो बताओ न? मोनू: देख भाई, आम के पेड़ के नीचे जो मंत्रणा की जाती हैं वो आमंत्रण है और जो नीम के पेड़ के नीचे की जाए निमंत्रण है।

रिंकी : कबूतर जा जा जा। कबूतर जा जा पहले प्यार की पहली चिट्ठी साजन को दे आ..। कबूतर: आत्मनिर्भर बनो दीदी तुम तो पापा की परी हो खुद उड़ कर दे आओ..।

आलिया और रणवीर दोनों छत पर बैठकर बात कर रहे थे। रणवीर: आलिया, कोई मजेदार बात सुना ना । आलिया: पता है बचपन में मैं छत से नीचे गिर गयी थी रणवीर – क्या.? फिर तू बच गयी या मर गयी थी.? आलिया: मुझे क्या पता यार मैं तो बहुत छोटी थी.। रणवीर: ओह हां,,,, मैं तो भूल ही गया था।

कहानी — सबसे प्यारे आप

एक बार बादशाह अकबर किसी बात पर अपनी बेगम से नाराज हो गये। उन्होंने बेगम से कहा तुम अपने पीहर चली जाओ। फिर मुझे कभी अपनी शक्ल मत दिखाना। बेगम घबरा गयी। उन्होंने फौरन बीरबल को बुलवाया और उन्हें पूरी बात बतायी। पूरी बात सुनकर बीरबल ने उन्हें एक राय दी और खामोशी से दरबार में पहुंच गये। तत्पश्चात बेगम बादशाह से मिलने महल में गयी। बादशाह ने उन्हें देखकर मुंह फेर लिया। बेगम ने कहा, जहांपनाह, आप को छोड़कर जाना मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा है मगर आपका हुक्म है, इसलिए मुझे जाना ही पड़ेगा। मुझे तो अपना बाकी जीवन आपकी सेवा में ही बिताना था परन्तु अब क्या हो सकता है? अकबर ने उनकी ओर बिना देखे ही कहा, झूठी खुशामद मत करो, जो कुछ कहना है, झटपट कह कर चली जाओ। बेगम ने कहा, देखिए अब तो मैं हमेशा के लिए अपने पीहर चली जाऊंगी। मेरी इच्छा है कि आज रात को आप मेरे महल में भोजन के लिए पधारें और मेरी एक सबसे प्रिय चीज मुझे अपने साथ ले जाने की अनुमति दें। आपकी याद स्वरूप उस चीज को देखते हुए मैं अपना बाकी जीवन बिता लूंगी। बादशाह ने महल में आने और जाते समय अपनी सबसे प्यारी चीज ले जाने की इजाजत दे दी। रात को अकबर बेगम के महल में पहुंचे तो बेगम ने उन्हें मनपसन्द भोजन करवाया और अंत में एक पान खिलाया। पान में बेहोशी की दवा थी इसलिए बादशाह अकबर पलंग पर लेटते ही बेहोश होकर सो गये। दूसरे दिन सुबह जब बादशाह सोकर उठे तो उन्हें आस-पास सब कुछ नया-सा लगा। बेगम पलंग के पास बैठी हैं। बादशाह अकबर कुछ कहते, इससे पहले ही बेगम बोली, माफ करें जहांपनाह! मेरी सबसे अधिक प्रिय चीज मुझे अपने साथ ले आने की स्वीकृति आपने ही दी थी। मेरी सबसे अधिक प्रिय चीज आप हैं इसलिए मैं आपको लेकर अपने पीहर आ गयी हूं। बेगम की यह बात सुनकर अकबर को बहुत खुशी हुई। उनका गुस्सा पलक झपकते ही शान्त हो गया और बेगम को साथ लेकर अपने राजमहल लौट आये।

शिक्षा : प्यार घृणा को जीत सकता है। अवांछनीय कार्यों के प्रति शांतिपूर्ण व्यवहार अच्छा परिणाम दे सकता है।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका मन उत्साहित रहेगा। पार्टनर से मिलने के लिए बेताब रहेंगे। अविवाहित लोग प्रेमी को समय देंगे। पति-पत्नी के बीच प्यार रहेगा। आज पार्टनर से बहस करने से बचें।

वृषभ

प्रेमी के साथ मन मुटाव हो सकता है। अपनी भावनाएं किसी पर न थोपें। प्रेमी के साथ किसी यात्रा पर जा सकते हैं। आपसे ज्यादा उम्र का कोई व्यक्ति आपकी ओर अट्रैक्ट हो सकता है।

मिथुन

इमोशनल होने से कई छोटे मुद्दे तूल पकड़ सकते हैं। प्रेम संबंधों का बनाए रखने के लिए कुछ बातें इग्नोर करनी पड़ेगी। पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे।

कर्क

आज आपका मूड रोमांटिक रहेगा। पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है। शाम को प्रेमी के साथ समय बिताएंगे। पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं।

सिंह

आज नए रिश्ते में व्यस्त रहेंगे। आज पार्टनर आपको प्यार का इजहार कर सकता है। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप सफल हो सकती है। प्रेमी से कोई उपहार मिल सकता है।

कन्या

पार्टनर की तरफ से आज आपको खूब प्यार मिल सकता है। प्रेमी के मन का ख्याल रखें। किसी बात को लेकर पार्टनर से झगड़ा हो सकता है। बाहर घूमने का प्लान बन सकता है।

तुला

अविवाहित लोगों को शादी के लिए प्रपोजल मिल सकता है। पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। अपने से ज्यादा उम्र वाले किसी इंसान की ओर आप आकर्षित हो सकते हैं।

वृश्चिक

आज आप किसी दोस्त को प्रेमी के नजरिए से देख सकते हैं। आज से शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चलेगी। पार्टनर के साथ समय बिताएंगे। अपनी भावनाएं पार्टनर पर न थोपें।

धनु

आज के दिन आप खुश रहेंगे। पार्टनर से अच्छी खबर मिल सकती है। पति-पत्नी के बीच अनबन हो सकती है। प्रेमी से अपने संबंधों को लेकर गंभीर बात कर सकते हैं।

मकर

आप जितना सहज और सच्चे रहेंगे उतना ही लोग आपकी ओर आकर्षित होंगे। प्रेमी से अपनी बात मनवाने की कोशिश न करें। इस सप्ताह अविवाहित लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है।

कुम्भ

आज आपका मूड रोमांटिक रहेगा। कुंभ राशि के जातक किसी दोस्त की तरफ आकर्षित होंगे। जो लोग किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं उन्हें आज सफलता मिल सकती है।

मीन

काम के सिलसिले में आप बाहर जा सकते हैं। अविवाहित लोगों की शादी की बात चल सकती है। पति-पत्नी के बीच मन-मुटाव हो सकता है। नई रिश्तों को बनाने से पहले गंभीरता से विचार करें।

इंटरनेशनल कान फिल्म फेस्टिवल

पहले ही दिन दीपिका के हुस्न पर फिदा हुआ हर कोई

बॉलीवुड | मसाला

इंटरनेशनल कान फिल्म फेस्टिवल का इंतजार न सिर्फ दुनिया भर के फैंस बल्कि स्टार्स को भी बड़ी बेसब्री से रहता है। इस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पूरी दुनिया भर से कई फिल्मों का प्रीमियर होता है। वहीं फेस्टिवल से कहीं ज्यादा लोगों को इसके रेड कॉरपेट का इंतजार रहता है क्योंकि रेड कारपेट पर बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक सितारे अपना जलवा बिखेरते हैं। 17 मई से कान फिल्म फेस्टिवल का आयोजन हो चुका है। वहीं पहली बार इंडिया से बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण को जूरी मेंबर्स की लिस्ट में शामिल किया गया है। वहीं कान फिल्म फेस्टिवल के पहले ही दिन दीपिका पादुकोण ने अपने स्टाइलिश अंदाज से यहां पर धमाल मचाना शुरू कर दिया है। कान फिल्म फेस्टिवल के उनके लुक की कई तस्वीरें सामने आई हैं, जो किसी को भी दीवाना बनाने के लिए काफी है। कान फिल्म फेस्टिवल के पहले ही दिन दीपिका पादुकोण ने अपने स्टाइलिश अंदाज से यहां पर धमाल मचाना शुरू कर दिया है। तस्वीरों में वह बला की खूबसूरत नजर आ रही है। दीपिका पादुकोण ने कांस फिल्म फेस्टिवल के रेड कारपेट पर अपने ऑल ब्लैक लुक में धांसू एंट्री मारी है। इन तस्वीरों को Festival de Cannes के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया गया है। साथ ही दीपिका ने भी अपने लुक की फोटोज को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया है।

दीपिका पादुकोण के रेड कॉरपेट के लिए सब्यसाची की डिजाइन की हुई ब्लैक और गोल्डन कलर की खूबसूरत साड़ी पहनी है। इस साड़ी में दीपिका ने ग्लैमरस फोटोशूट कराया है। इस दौरान दीपिका पादुकोण का कॉन्फिडेंस देखते ही बन रहा है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए दीपिका पादुकोण ने कैप्शन में लिखा है, सब्यसाची ने कहा है साड़ी एक कहानी है जिसके बारे में मैं बताना कभी बंद नहीं करूंगा। हम दुनिया में कहीं भी हो, यह सभी जगह है। और मैं इससे अधिक सहमत नहीं हो सकती। इन तस्वीरों को दीपिका के चाहने वाले बेहद पसंद कर रहे हैं।

प्रियंका के आंखों में आंसू देख फैंस हुए बेचैन, पूछा-

आप ठीक तो हैं ना?

प्रियंका चोपड़ा आज बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हॉलीवुड में भी अपना नाम कमा चुकी हैं। प्रियंका ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों के साथ कई ऐसे रिकॉर्ड भी अपने नाम किए जिन्हें पाना हर किसी के बस की बात नहीं है। प्रियंका चोपड़ा प्रोफेशनल लाइफ के साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब चर्चा में रहती हैं। प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं। फैंस भी प्रियंका के लेटेस्ट अपडेट्स का बेसब्री से इंतजार करते हैं लेकिन इसी बीच प्रियंका की एक तस्वीर ने उनके चाहने वालों को बेचैन कर दिया है। इस तस्वीर में प्रियंका के फेस पर काफी चोटें नजर आ रही हैं। उनकी ये तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। लुक की बात करें तो प्रियंका इस तस्वीर में ब्लैक आउटफिट में नजर आ रही हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, क्या आपका दिन भी काम पर कठिन था? इसके साथ ही प्रियंका चोपड़ा ने #Actorslife #Citadel #Adayinthelife जैसे हैश टैग का इस्तेमाल किया है। प्रियंका की इस चोटिल तस्वीर को देखकर फैंस चिंता जाहिर कर रहे हैं। इस पर कमेंट कर फैंस अपने रिएक्शन दे रहे हैं। फेंस कयास लगा रहे हैं कि क्या प्रियंका के फेस पर ये चोटें वाकई हैं या उन्होंने मेकअप किया है। प्रियंका अपनी अगली वेब सीरिज Citadel की शूटिंग में व्यस्त हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

पापा से कुछ नहीं लिया, अकेले मां ने हमारी हर चीज का ध्यान रखा: अर्जुन

अर्जुन कपूर को फिल्म इंडस्ट्री में एक दशक बीत चुका है। हाल ही में एक इंटरव्यू में अर्जुन कपूर ने बताया कि जीवन में उनके साथ एक बेहद ही अच्छी चीज हुई है, वह यह कि वह आर्थिक रूप से किसी पर भी निर्भर नहीं हैं। अर्जुन कपूर ने आजतक अपने पिता बोनी कपूर से कुछ नहीं लिया। एक्टर बनने से पहले तक भी वह बहुत ज्यादा जरूरत पड़ने पर ही पिता से मदद मांगते थे। दिवंगत मां मोना कपूर की सराहना करते हुए अर्जुन कपूर ने कहा कि उन्होंने उनकी बहन और उनकी बहुत अच्छी परवरिश की है। अर्जुन कपूर की मां मोना टीवी सीरियल्स को प्रोड्यूस करती थीं। साल 2012 में उनका निधन हुआ। हाइपरटेंशन और कैंसर के साथ मल्टीपल ऑर्गन फेल्यर हुआ था। अर्जुन कपूर ने अपना एक्टिंग डेब्यू मां के निधन के दो महीने बाद किया। फिल्म इशकजादे से डेब्यू किया था। अर्जुन कपूर ने कहा कि अगर मां उनकी फिल्म देख लेतीं तो उनके लिए वही बहुत बड़ी बात होती। अर्जुन कपूर ने अपनी पर्सनल लाइफ एक्सपीरियंस को लेकर भी बातचीत की। 2018 में जब श्रीदेवी का निधन हुआ तो उन्हें दो बहनें मिलीं। जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर, जाह्नवी कपूर से अर्जुन कपूर काफी करीब हैं। पिता बोनी कपूर भी उनकी और बहन अंशुला कपूर की लाइफ का अहम हिस्सा रहे हैं। अर्जुन कपूर ने कहा कि मैंने अपने पिता से कुछ नहीं लिया। जबसे एक्टर बना हूं, तब से मुझे याद है मैंने उनसे कुछ नहीं मांगा। अर्जुन कपूर ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी बात की। उनका कहना है कि जिस तरह पब्लिक की नजरों में उनकी पर्सनल लाइफ और परिवार को जज किया जाता है, वैसा किसी के भी साथ न हो। अर्जुन कपूर अपनी मां पर गर्व करते हैं क्योंकि उन्होंने उन्हें बहुत मजबूत बनाया है। इस तरह की ट्रोलिंग से लड़ना सिखाया है। आज उन्हें लाइफ में किसी से मतलब नहीं, परिवार के अलावा।

रहस्यमयी है कुआं, परछाई नहीं दिखे तो 6 महीने में हो जाती है मौत

इस दुनिया में तमाम ऐसी रहस्यमई चीजें हैं जो विज्ञान के नियमों को पीछे छोड़ देती हैं। कई ऐसी मान्यताएं हैं, जिन पर साइंस सटीक नहीं बैठती, लेकिन फिर भी लोगों को इन आस्थाओं में पूरा विश्वास है। यूपी के बनारस में भी मणिकर्णिका घाट और काशी विश्वनाथ बाबा के मंदिर के अलावा हिंदू धर्म के कई रहस्य छिपे हैं। इसी शहर में धर्मराज यमराज से जुड़ी जानकारियां और निशानियां मिलती हैं। यहां पर एक मंदिर है, जिसमें एक रहस्मय कुआं है। यह कुआं भक्तों को उनकी मौत के बारे में संकेत देता है। यह मंदिर मीरघाट के ऊपर बना है। इस मंदिर का नाम धर्मेश्वर महादेव मंदिर है और यहां एक धर्मकूप है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मंदिर के पुजारी का कहना है कि इस कूप का इतिहास गंगा के धरती पर आने से पहले का है। इसे सूर्यपुत्र यम ने बनवाया था। साथ ही ऐसी मान्यता है कि गंगा अवतरण के पूर्व यहां धर्मराज यम ने तपस्या की थी। इस रहस्मय कुएं को लेकर मान्यता है कि यह कुआं मौत का संकेत देता है। कहा जाता है कि अगर इस कुएं में व्यक्ति की परछाई नहीं दिखाई देती तो अगले 6 महीने में उस व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। साथ ही इस प्राचीन मंदिर को लेकर मान्यताएं हैं कि यहां पर भगवान शिव व यमराज देव एक साथ विराजते हैं। मान्यता है कि धर्मेश्वर महादेव प्राचीन मंदिर में बने धर्म कुएं का निर्माण स्वयं यमराज द्वारा किया गया था। ऐसी मान्यता है कि जिन लोगों की परछाई कुएं में दिखाई नहीं देती है। अगले 6 महीने में उस व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। कहा जाता है कि भगवान शिव पृथ्वी पर मृत्यु को प्राप्त होने वाले व्यक्तियों को स्वर्ग या नरक में ले जाने को लेकर व्यवस्था बनाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए यमराज तपस्या कर रहे थे परंतु यमराज को भगवान शिव को प्रसन्न करने में कामयाबी नहीं मिल रही थी। इस पर भगवान विष्णु ने यमराज को कुंड बनाने व उसमें स्नान करने के बाद भगवान की तपस्या करने की सलाह दी। यमराज ने ऐसा ही किया और भगवान शिव, यमराज से प्रसन्न हुए और भगवान ने यमराज को स्वर्ग और नर्क जाने वाले लोगों की जिम्मेदारी सौंपी।

अजब-गजब | हिंदू धर्म स्थलों को दिया था बेशुमार दान

वह मुस्लिम शासक जिसने कई मंदिरों के निर्माण के लिए खोल दिया था अपना खजाना

इन दिनों हर किसी की जुबान पर ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर चल रहे विवाद की ही बातें है। इसके अलावा ताजमहल, मथुरा में भगवान कृष्ण की जन्मभूमि और कुतुबमीनार को लेकर भी तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। इनमें से ज्यादातर में यही कहा जा रहा है कि मुस्लिम या मुगल शासकों ने जहां भी इमारतें या इबादतगाह बनवाई वह पहले हिंदू धर्म स्थल हुआ करते थे इसलिए इनकी जांच की मांग की जा रही है लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि उसी दौर में कुछ मुस्लिम शासक ऐसे भी थे जिन्होंने हिंदू धर्म स्थलों के निर्माण के लिए अपना खजाना खोल दिया था और दिल खोलकर दान किया था। इसमें सबसे पहला नाम आता है हैदराबाद के शासक सातवें निजाम उस्मान अली का। उस्मान अली का नाम दुनिया के सबसे धनवान लोगों में शामिल था। उनके धन दौलत के किस्से जितने विख्यात थे। उतने ही ज्यादा उनकी कंजूसी के बारे में कहा जाता था। हालांकि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना स्टेट आर्काइव्स एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट्स से मिलने वाले रिकार्ड बताते हैं कि हैदराबाद निजाम ने कई बार हिंदू मंदिरों को मोटा दान दिया था। यही नहीं उन्होंने उस जमाने में पुणे से छपने वाली एक धार्मिक पत्रिका को आर्थिक मदद दी। साथ ही कई हिंदू प्रबंधन से जुड़े शिक्षा

संस्थानों को भी दान दिया था। बताया जाता है कि सातवें निजाम ने तिरुपति के प्रसिद्ध तिरुमला बालाजी मंदिर के लिए आजादी से पहले 8000 रुपये दान में दिए थे जो उस दौर में बहुत बड़ी रकम थी। भगवान विष्णु के प्रसिद्ध वेंकटेश्वरा मंदिर भी हैदराबाद रियासत में ही आता था। ये हैदराबाद के सबसे पुराने मंदिरों में एक है सीताराम बाग मंदिर, इसे हैदराबाद के मंगलहाट में 25 एकड़ के इलाके में बनवाया गया। अब ये हैरिटेज स्थानों की सूची में दर्ज है। बताया जाता है कि इस मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए हैदराबाद के निजाम ने 50,000 रुपये दिए थे। आज भी मंदिर के रिकॉर्ड्स में इसका उल्लेख मिलता है। इसके अलावा दक्षिण भारत का प्रसिद्ध मंदिर श्री सीता रामचंद्र स्वामी। ये मंदिर भद्राचलम में गोदावरी नदी के किनारे है। इसकी मान्यता दक्षिण अयोध्या के रूप में भी है इस भव्य मंदिर के लिए निजाम ने 29,999 रुपये दान स्वरूप दिए थे। वहीं तेलंगाना में यादाद्री भुवनगिरी जिले स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंहा मंदिर है। ये मंदिर हैदराबाद से करीब 120 किलोमीटर दूर है। इसे हैदराबाद के सातवें निजाम ने 82,225 रुपये दान दिया था। पुणे में भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट हर साल तब महाभारत का प्रकाशन करता था लेकिन इसमें जब उसे आर्थिक तौर पर दिक्कत आने लगी तो इस संस्थान के कई लोगों से मदद मांगी। जो लोग इस काम में आगे आए, उसमें हैदराबाद के निजाम भी थे। उन्होंने 11 बरसों तक लगातार हर साल 1000 रुपये की आर्थिक मदद की जो 1932 से लेकर 1943 तक जारी रही। इसके साथ ही इस संस्थान के गेस्ट हाउस के निर्माण में 50,000 हजार रुपये की मदद की। हैदराबाद के निजाम टैगोर के शांति निकेतन को भी दान दिया करते थे। उन्होंने आंध्र यूनिवर्सिटी और बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी की भी आर्थिक मदद की। उन्होंने शांति निकेतन को 1926-27 में एक लाख रुपये की आर्थिक मदद की जो बाद में बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये कर दी गई। इसी तरह रिकार्ड्स से पता चलता है कि हैदराबाद के निजाम ने बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी को 30,000 रुपये की आर्थिक मदद दी।

सड़कों पर बढ़ते अतिक्रमण पर सीएम योगी सख्त, कहा

माफिया की तोड़ें कमर, अवैध स्टैंड वालों पर लगाएं गैंगस्टर

» अनफिट व बिना परमिट वाले वाहनों पर लगाएं लगाम

» अवैध टैक्सी संचालन पर स्थानीय प्रशासन होगा जिम्मेदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की सड़कों पर बढ़ते अतिक्रमण को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अवैध स्टैंड चलाने वाले ठेकेदारों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर संपत्ति जब्तीकरण की कार्रवाई की जाए। सड़कों से अवैध स्टैंड 24 घंटे के अंदर हटाए जाएं। हर एक माफिया की कमर तोड़ दी जाए। मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा अभियान के तहत फील्ड के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर ये निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आरटीओ कार्यालय दलालों से मुक्त हो और ड्राइविंग लाइसेंस केवल योग्य व प्रशिक्षित लोगों को मिले। बिना टेस्ट पास किए किसी को ड्राइविंग लाइसेंस न दिया जाए। हादसे रोकने के लिए सड़कों से अतिक्रमण को हटाना होगा।

पटरी व्यवसायियों के स्थान का चिह्नांकन करते हुए सुनिश्चित करें कि कोई तय स्थान के बाहर दुकान न लगाए। नगरों में पार्किंग की व्यवस्था और बेहतर की जाए। गाजियाबाद स्कूल बस हादसे का जिक्र करते हुए सीएम ने अनफिट व बिना परमिट वाले वाहनों को हर हाल में रोकने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अनेक अवैध, डग्गामार बसें प्रदेश की सीमा से होकर अन्य राज्यों की ओर जा रही हैं। ये ओवरलोड और जर्जर होती हैं। परिवहन विभाग इनके संचालन पर अंकुश लगाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क, ओवरब्रिज स्टंट की जगह नहीं है। ऐसी अराजकता पर सख्ती से लगाम लगाई जाए। हेलमेट, सीटबेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि शहरों में अवैध टैक्सी संचालन को लेकर स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही तय की जाए। टैक्सी स्टैंड का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो स्थानीय प्रशासन के लोगों के खिलाफ कार्रवाई होगी। हाईवे व एक्सप्रेस-वे पर ब्लैक स्पॉट के सुधारीकरण, स्पीड मापन, त्वरित चिकित्सा सुविधा, सीसीटीवी की व्यवस्था को और बेहतर करने की जरूरत बताई। हाईवे पर ट्रकों की कतारें न लगें।

टेबल टॉप हो स्पीड ब्रेकर

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्पीड ब्रेकर टेबल टॉप हो न कि कमर तोड़ने वाला। बुजुर्गों, बच्चों, महिलाओं, मरीजों को इससे परेशानी न हो। खराब डिजाइन की वजह से लोग स्पीड ब्रेकर के किनारे से वाहन निकालते हैं, जिससे दुर्घटना होती है।

कानपुर : पति-पत्नी की गला रेत कर हत्या, सनसनी

» अभी तक नहीं मिला हत्यारों का सुराग, जांच में जुटी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। बजरिया थाना क्षेत्र के रामबाग निवासी पति-पत्नी की गला रेत कर हत्या कर दी गई। आज सुबह सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

चाय का ठेला लगाने वाले रामबाग निवासी शिवम तिवारी अपनी पत्नी जूली के साथ रहते थे। सुबह करीब 6:30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि पति-पत्नी की हत्या कर दी गई है। सूचना पर बजरिया पुलिस के साथ संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी मौके पर पहुंचे। दंपति के शव घर के अंदर पड़े मिले, उनकी गला रेत कर हत्या की गई थी। अधिकारियों के मुताबिक मृतक शिवम की उम्र 27 वर्ष और जूली की उम्र 25 वर्ष है। हत्या किन कारणों से की गई, अभी इसकी पड़ताल की जा रही है। पुलिस कंट्रोल रूम को फोन किसने किया था, इसका भी पता लगाया जा रहा है। सबसे पहले हत्या की जानकारी किसे और कैसे मिली। संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया कि जिस इमारत में हत्याकांड को अंजाम दिया गया है, उसमें शिवम तिवारी अपने परिवार के साथ रहता है। परिवार में पिता, भाई व अन्य सदस्य हैं जबकि अन्य सात किराएदार भी इसी मकान में रहते हैं। घर के मुख्य द्वार का दरवाजा बंद होने के बाद इसमें अंदर आने का कोई स्थान नहीं है। जो व्यक्ति रात में दरवाजा बंद करता है, उसने बताया है कि रात भर दरवाजा बंद रहा है। सुबह उठकर उसने ही दरवाजा खोला। दरवाजा खोलने के बाद हत्या की जानकारी मिली इसका मतलब हत्यारा बाहर से नहीं आया बल्कि घर में ही छिपा है। संभावना यह भी है कि वारदात में एक से अधिक लोग शामिल रहे हों।

महिला को कोर्ट ने दी वृद्धाश्रम के बुजुर्गों के लिए भोजन बनाने की अनोखी सजा

» झूठी शिकायत पर सुनायी सजा, इलाके में चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। कोर्ट ने एक महिला को झूठी शिकायत करने पर अनोखी सजा दी है। उसे वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के लिए दोनों पहर का भोजन बनाने की सजा दी। इस पर महिला ने बुधवार को नैमिषारण्य पहुंचकर बुजुर्गों के लिए खाना बनाया। उसके बाद उन्हें परोसकर भोजन भी कराया। इस सजा को एक नजीर के तौर पर देखा जा रहा है।

पुराने सीतापुर के शेखसरायं निवासी लक्ष्मी प्रजापति को मंगलवार को जनपद न्यायालय ने एक मामले में सजा सुनाई। न्यायालय ने महिला की झूठी शिकायत पाई तो उसे किसी कारावास के बजाय दूसरों के लिए नजीर बनने वाली एक अनोखी सजा सुनाई। महिला को वृद्धाश्रम में जाकर बुजुर्गों को एक दिन भोजन बनाकर खिलाने की सजा दी। इस पर जिला प्रोबेशन अधिकारी राज कपूर ने वृद्धाश्रम नैमिषारण्य को सूचना दी। इसके बाद लक्ष्मी प्रजापति ने आश्रम में रह रहे बुजुर्गों व स्टाफ के लिए दोनों समय का भोजन बनाने का काम शुरू कर दिया।

वृद्धाश्रम प्रबंधक ने बताया कि आश्रम में करीब 90 बुजुर्ग हैं, जिनके लिए दो समय का भोजन लक्ष्मी प्रजापति ने बनाया है। सुबह के भोजन में लक्ष्मी ने बुजुर्गों के लिए दाल, चावल, रोटी, सब्जी बनाई। शाम के भोजन में निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन पकाया। जिले के लोग न्यायालय के इस आदेश को एक सुधारवादी कदम के रूप में देख रहे हैं।

संदिग्ध हालत में फंदे से लटकता मिला युवक का शव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। जिले के खैराबाद थाना इलाके में बुधवार को एक युवक का शव संदिग्ध हालत में फंदे से लटकता मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोहल्ला शेख सराय निवासी सुहैल अहमद (23) अपने दोस्त के घर में किराए पर रहता था। बुधवार को उसका शव पंखे के सहारे फंदे से लटकता मिला। युवक नशे का आदी था। नाराज माता-पिता ने उसे घर से निकाल दिया था। मृतक ने गोरखपुर की एक लड़की से निकाह भी कर लिया था जो अपने मायके में रहती थी। घटना के पूर्व मृतक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर अपने पिता और चाचा से गलतियों की माफी भी मांगी थी। एसओ अरविंद सिंह ने बताया कि घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

सड़क हादसे में केंद्रीय गृहराज्य मंत्री टेनी के भतीजे की मौत

» शारदा नहर मोड़ पर बाइक पर गिरा पेड़, परिवार में कोहराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महेवागंज। बाइक से घर जा रहे केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के भतीजे अचिन मिश्रा (37) की आंधी के दौरान बाइक पर पेड़ गिरने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

बनवीरपुर गांव के पूर्व प्रधान दिनेश चंद्र मिश्रा के पुत्र अचिन बुधवार शाम बाइक से अकेले लखीमपुर से घर जा रहे थे। इसी बीच तेज आंधी आ गई और शारदा नहर मोड़ मुराउनपुरवा के पास सड़क किनारे लगा पेड़ उखड़कर उनकी बाइक पर जा गिरा। बाइक पर पेड़ गिरते ही वह सड़क पर गिर पड़े और बाइक

उनके ऊपर पड़ी रही। किसी तरह पेड़ काटकर जब उन्हें बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया तो डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसा इतना भीषण था कि हेलमेड लगाए रहने के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी। राहगीरों ने किसी तरह पेड़ की शाखाएं काटकर उनको बाहर निकाला और 112 पुलिस उन्हें अस्पताल लेकर पहुंची। उधर, हादसे की सूचना मिलते ही परिवार के लोग बनवीरपुर से जिला अस्पताल पहुंच गए लेकिन अचिन की मौत से सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। मौत के बाद पोस्टमॉर्टम हाउस पर परिचितों और रिश्तेदारों का जमावड़ा लगा रहा।

भगोड़े आईपीएस मणिलाल पाटीदार की बर्खास्तगी की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भगोड़े आईपीएस मणिलाल पाटीदार की बर्खास्तगी के लिए प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार को सिफारिश भेज दी है। मणिलाल पर भ्रष्टाचार और आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज है। वह डेढ़ साल से फरार हैं।

प्रदेश सरकार ने पाटीदार की बर्खास्तगी के लिए अपने स्तर से सभी प्रक्रियाएं पूरी कर केंद्र को भेज दी है। 2014 बैच के आईपीएस मणिलाल पर आरोप है कि उन्होंने महोबा में एसपी रहते हुए भ्रष्टाचार किया और अवैध धन उगाही के लिए खनन व्यवसायी इंद्रकांत त्रिपाठी पर दबाव बनाया जिससे तंग आकर इंद्रकांत त्रिपाठी ने आत्महत्या कर ली थी।

राजीव गांधी के हत्यारे की रिहाई देश के लिए बड़ा सवाल

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने उम्रकैद की सजा काट रहे दोषी एजी पेरारिवलन को रिहा करने का आदेश दिया है। सवाल ये है कि राजीव के हत्यारे की रिहाई से क्या बाकी नेता सबक लेंगे? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, सैयद कासिम, श्वेता आर रश्मि और अभिषेक कुमार ने एक लंबी परिचर्चा की

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अशोक वानखेड़े ने कहा, राजीव गांधी हत्याकांड मामले में मानवता की दृष्टि से देखा जाए तो कोर्ट ने अपने विशेषाधिकार का प्रयोग किया। तमिलनाडु सरकार ने भी सजा माफ करने को कहा था। सुधरने का अधिकार सबको है। राहुल और प्रियंका ने स्पष्ट रूप से कहा था कि उन्होंने अपने पिता के हत्यारे को माफ कर दिया है। सैयद कासिम ने कहा इस मुल्क में न्याय पाना मौलिक अधिकार है। अगर अदालत द्वारा किसी को न्याय मिला है तो उसका सम्मान करना चाहिए। श्वेता आर रश्मि ने कहा अपराध शामिल व्यक्ति को सजा तो भुगतनी ही है। ये अलग बात कि यूपी के मुख्यमंत्री ने अपने ऊपर दर्ज 17 मुकदमे वापस ले लिए। आम आदमी के पास पैरवी करने के लिए ठीक से वकील नहीं है।

अब हाईटेक दिखेगी यूपी विधान सभा

फोटो: सुमित कुमार

» विधानसभा में ई-विधान लागू करने की तैयारी पूरी

» विधायकों की सीट तय, लगाए गए टैबलेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा के 23 मई से शुरू होने जा रहे बजट सत्र से ई-विधान लागू करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। विधानसभा सचिवालय ने सदन में पेपरलेस कार्यवाही संपादित कराने की व्यवस्था की है। सदन में सभी विधायकों की सीटें तय करने के साथ-साथ उस पर टैबलेट भी लगा दिए गए हैं, जिसके जरिये वह सवाल-जवाब समेत अन्य कार्यवाही में हिस्सा लेंगे। नगालैंड के बाद यूपी दूसरा प्रदेश है जहां पर सदन की कार्यवाही पूरी तरह से पेपरलेस होगी। गुरुवार को सीएम योगी ने इसका निरीक्षण किया। 18वीं विधान सभा के सदस्यों को 21 मई को सदन में एनआईसी के विशेषज्ञों द्वारा ई-विधान का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के जरिए सदस्यों को बताया जाएगा कि किस तरह विधान सभा मंडप में पेपरलेस कार्यवाही संपादित की जाएगी और उन्हें टैबलेट के जरिये कैसे सदन में अपनी भागीदारी करनी है।

जनता दर्शन में दिए आवेदन का 72 घंटे में होगा निस्तारण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में दिए आवेदन का पुलिस 72 घंटे में निस्तारण करेगी। राजस्व संबंधित या लंबे समय से चल रहे विवाद जुड़े मामले को भी सुलझाने का सार्थक प्रयास किया जाएगा। गोरखपुर में एडीजी जोन ने इसको लेकर कार्ययोजना तैयार की है।

15 मई मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में कुल 50 शिकायतें पुलिस से संबंधित आई थी, जिसमें विवेचना में कार्रवाई न होने की 19, मुकदमा दर्ज न होने की नौ, जमीन से संबंधित 10 और अन्य मामलों से जुड़ी 12 शिकायतें थीं। सभी मामले की समीक्षा करने के बाद एडीजी ने निर्देशित दिया है कि जनता दर्शन में आने वाली शिकायत को हर हाल में 24 घंटे के भीतर संबंधित सीओ कार्यालय में भेज दिया जाए। शिकायत मिलते ही संबंधित सीओ व्हाटसएप के जरिए संबंधित बीट पुलिसकर्मी को शिकायत भेज दें। शिकायत मिलने के 24 घंटे के भीतर बीट सिपाही शिकायतकर्ता के घर पहुंचे और जानकारी जुटाकर सीओ को अपनी जांच रिपोर्ट से अवगत कराए। साथ ही रिपोर्ट की एक प्रति हल्का दारोगा, चौकी प्रभारी और थानेदार को भेजे। विवेचना में लापरवाही की शिकायत है तो विवेचक 24 घंटे के भीतर पीड़ित के घर जाएंगे। उन्हें अब तक की हुई कार्रवाई के बारे में उन्हें बताएंगे और आगे की कार्रवाई करने का भरोसा दिलाकर उन्हें संतुष्ट करेंगे। अगर वादी की शिकायत अनुचित होगी उसे तत्काल अपनी आख्या सीओ को भेजेंगे।

लोकसभा सीटों पर पूर्णकालिक पर्यवेक्षक नियुक्त करेगी कांग्रेस

» चिंतन शिविर की घोषणा पर अमल शुरू

» खुद चुनाव नहीं लड़ेंगे पर्यवेक्षक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की चुनावी किस्मत बदलने के लिए पार्टी ने उदयपुर चिंतन शिविर के संकल्प को जमीन पर उतारने की पहल शुरू कर दी है। इस क्रम में पार्टी सभी 543 लोकसभा सीटों के साथ-साथ राज्यों की विधानसभा सीटों पर करीब 6,500 पूर्णकालिक पर्यवेक्षक नियुक्त करेगी। इन पर्यवेक्षकों के जरिये पार्टी का शीर्ष नेतृत्व हर लोकसभा और विधानसभा सीटों की जमीनी राजनीतिक नब्ज की निरंतर टोह लेकर कांग्रेस की चुनावी रणनीति का संचालन करेगा।

संकल्पों को कार्यान्वित करने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआइसीसी) में पार्टी महासचिवों और राज्य प्रभारियों की पहली बैठक में पर्यवेक्षक नियुक्त करने से लेकर अन्य तमाम बड़े कदमों की घोषणा को मूर्त रूप देने पर चर्चा हुई। उदयपुर संकल्प को कार्यान्वित करने को लेकर पार्टी की उत्सुकता इसका साफ संकेत है कि कांग्रेस को अहसास हो गया है

कि चुनावी राजनीति के तेजी से बदले स्वरूप में पुराने ढर्रे के परंपरागत चुनाव प्रबंधन तंत्र से काम नहीं चलेगा। भाजपा की बूथ स्तर तक की चुनावी मशीनरी का उसी तर्ज पर पेशेवर तरीके से मुकाबला करना होगा। इसके मद्देनजर ही पार्टी सभी लोकसभा और विधानसभा सीटों पर पूर्णकालिक पर्यवेक्षकों को नियुक्त करेगी। कांग्रेस अभी केवल चुनाव के समय लोकसभा या विधानसभा सीटों पर पर्यवेक्षक भेजती थी और ये पर्यवेक्षक चुनावी रणनीति आगे बढ़ाने के बजाय टिकट दिलाने जैसी भूमिका में ज्यादा दिलचस्पी दिखाते रहे हैं। सूत्रों के अनुसार लोकसभा और विधानसभा के लिए जो 6,500 के करीब पर्यवेक्षक नियुक्त होंगे, उनकी उम्मीदवारों के चयन और टिकट दिलाने में कोई सीधी भूमिका नहीं होगी।

चंपावत उपचुनाव में सीएम धामी का प्रचार करने आएंगे भाजपा के शीर्ष नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। विधानसभा की चम्पावत सीट के उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के पक्ष में प्रचार के लिए अब भाजपा संगठन की व्यवस्था पर ही नेताओं व कार्यकर्त्ताओं को चम्पावत भेजा जाएगा। पार्टी ने चम्पावत में ठहरने आदि की व्यवस्था के दृष्टिगत यह निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री के उपचुनाव लड़ने के मद्देनजर चम्पावत में प्रचार के लिए जाने को पार्टी कार्यकर्त्ताओं में होड़ सी लगी है। ये बात भी सामने आई है कि पार्टी नेतृत्व को बताए बगैर

भी बड़ी संख्या में कार्यकर्त्ता वहां पहुंच रहे हैं। ऐसे में उनके लिए वहां ठहरने की व्यवस्था करना मुश्किल हो रहा है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री कुलदीप कुमार के अनुसार अब ये तय किया गया है कि पार्टी संगठन की व्यवस्था पर ही नेता व कार्यकर्त्ता चम्पावत जाएंगे। इससे वहां उनके रहने आदि की व्यवस्था ठीक से हो सकेगी। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्तिगत रूप से जाना चाहता है तो उसे रोका नहीं जा सकता। चम्पावत उपचुनाव के मद्देनजर भाजपा के शीर्ष नेता और केंद्रीय मंत्री अगले सप्ताह चम्पावत आ सकते हैं। भाजपा के प्रदेश महामंत्री ने बताया कि गुरुवार व शुक्रवार को जयपुर में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक के बाद चम्पावत उपचुनाव के लिए पार्टी के बड़े नेताओं के कार्यक्रम तय किए जाएंगे।

बीजेपी में नहीं शामिल होंगे हार्दिक पटेल!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात के युवा नेता हार्दिक पटेल ने कहा है कि उन्होंने बीजेपी में शामिल होने का फैसला अभी तक नहीं किया है। पटेल ने बुधवार को गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से उनके बीजेपी में जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि ये पार्टी गुजरात में सिर्फ जातिवाद की राजनीति करती है। उन्हें पार्टी की तरफ से कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा मैंने अपने जीवन के 3 साल कांग्रेस में बर्बाद किए हैं।

फिलहाल बीजेपी या आप में शामिल होने का फैसला नहीं किया है। मैं अपना हर फैसला ईमानदारी से करूंगा। पटेल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता उन्हें लगातार किनारे लगाने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस केवल लोगों का इस्तेमाल करती है बाद में उन्हें बाहर निकालने की नीति अपनाती है। नरहरि अमीन, चिमनभाई पटेल को कांग्रेस से हटा दिया गया है। पटेल ने कहा जब राहुल गांधी गुजरात आए तो उन्होंने गुजरात की समस्या पर बात नहीं की।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।